24.50 लाख रुपये की लूट का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने लूटी गई राशि में से 16 लाख रुपये बरामद किये

बाड़मेर, (निसं)। पुलिस थाना बाडमेर ग्रामीण अंतर्गत गत दो मार्च को उतरलाई सरहद में एक व्यापारी के साथ में घटित हुई 24.50 लाख रुपये लूट की घटना का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटी गई राशि में से 16 लाख रुपये बरामद किये।

पुलिस अधिक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रार्थी सुरेश बारासा पुत्र सोनाराम वाल्मीकी निवासी जसवंत सराय जोधपुर ने थाने पर रिपोर्ट दी थी कि एक मार्च को अज्ञात विदेशी मोबाईल नम्बर से मेरे पास फोन आया और बताया मेरे पास में डॉलर्स है जो भारतीय मूद्रा में एक्सचेंज करवाना है। उसने अपने पास में डालर्स की भारतीय मुद्रा में किमत 24.50 लाख रुपये होना बताया, जिस पर वह 2 मार्च को रुपये लेकर उतरलाई बाड़मेर पहुंचा, जहां पर एक स्वीफ्ट कार में तीन युवक मिले तथा एक युवक प्रार्थी की कार में बैठा और दो पीछे-पीछे आये, बांदरा जाने वाली सड़क पर सुनसान जगह पर ले जाकर 24.50 लाख रुपये लूट लिये तथा प्रार्थी द्वारा डॉलर्स मांगने पर जान से मारने की धमकियां दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसन्धान शुरू कर दिया।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा दिनेश लखावत, थानाधिकारी पुलिस थाना बाड़मेर ग्रामीण के नेतृत्व में टीम का गठन कर निर्देश दिये जिस पर थाना स्तर पर गठीत टीम द्वारा प्रकरण में मुखबिरों से निरन्तर सम्पर्क करते हुऐ तकनीकी संसाधनों की सहायता से खेताराम पुत्र भारुराम जाट निवासी बलाउ, हरदेव पुत्र सुखाराम जाट निवासी नॉद व ओमाराम पुत्र रामाराम निवासी बलाउ पुलिस थाना सदर बाड़मेर को दस्तयाब कर पूछताछ की। आरोपियों द्वारा अपने अन्य साथी उगराराम पुत्र हनुमानराम जाट निवासी राजबेरा उण्डु पुलिस थाना शिव के साथ में मिलकर उक्त वारदात को कारित करना स्वीकार करने पर तीनों को गिरफ्तार कर लूट की गई राशि में से 16 लाख रुपये बरामद किये गए।

पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना ने बताया कि मुलजिम खेताराम व उगराराम दोनों अफ्रीका में काम करते हैं जहां पर इनको डॉलर्स में मजदूरी मिलती है। खेताराम ने पूर्व में भी प्रार्थी से डॉलर्स को भारतीय मूद्रा में एक्सचेंज करवाये थे। प्रार्थी द्वारा डॉलर्स एक्सचेंज की सर्विस देने की मुलजिमान को जानकारी होने पर मुलजिमान ने षड़यंत्र के तहत विदेशी मोबाईल नम्बर से प्रार्थी को कॉल करके बाड़मेर बुलाकर डॉलर्स देने के बहाने साढे चौबीस लाख रुपये लूट कर खेताराम, हरदेव व उगराराम तीनों ने 8-8 लाख रुपये आपस में बांट लिये।

कार पलटने से मरीज की मौत, तीन घायल

कुछ दिन पहले डाक विभाग से हुआ था रिटायर

मकराना, (निसं)। मरीज को जयपुर दिखने के लिए जा रही एक कार जयपुर-नागौर मेगा हाईवे पर पलट गई। कार में सवार एक जने की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य लोग घायल हो गए। इसके बाद 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायलों को बुडसु के सरकारी अस्पताल पहुंचाया

■ मरीज को जयपुर दिखने के लिए जा रहे थे कार सवार

हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की।

गया, जहां घायलों को उपचार देकर जयपुर रेफर कर दिया गया। वहीं मृतक के शव को मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है।

जानकारी अनुसार छोटी खाटू निवासी रघुनाथराम (29) पुत्र नारायण राम अपने पिता नारायणराम (55) पुत्र पूर्णाराम को दिखाने के लिए सुखदेवाराम (35) पुत्र दुलाराम व रुघाराम (45) पुत्र मूलाराम के साथ कार से जयपुर के लिए रवाना हुए। इस दौरान रास्ते में हाईवे पर दोपहर करीब तीन बजे सफ़ेद छोटी गांव आसरवा की सरहद के पास कार बेकाबू होकर पलट गई। इससे कार में सवार में नारायणराम (55) पुत्र पूर्णाराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार मृतक के बेटे रघुनाथराम, सुखदेवाराम और रुघाराम घायल हो गए। घटना के बाद लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस ने घायलों को बूडसू पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को कुचामन रेफर कर दिया गया। वहीं अहव को मॉर्च्यूरी में रखवाया गया, जिसका गुरुवार सुबह पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

सूचना मिलने पर मकराना थाना की हैड कॉन्स्टेबल राजकुमारी मीणा मय जाब्ता अस्पताल पहुंच गई और घायलों के बयान लिए। मामले को लेकर फिलहाल पुलिस को किसी प्रकार की रिपोर्ट नहीं दी गई हैं। मृतक नारायण राम डाक विभाग से कुछ दिन पहले ही रिटायर हुए थे। घायल मृतक नारायणराम को जयपुर दिखाने के लिए ले जा रहे थे और दुर्घटना में उनकी की मौत हो गई।

ऑनलाइन ओ.पी.डी. पर्ची नहीं कटने से बी.डी.एम. अस्पताल में मरीजों की भीड़

सर्वर डाउन हो जाने से मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी

कोटपूतली, (निसं)। राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में मरीजों को सहूलीयत देने के हिसाब से मरीजों की ओपीडी पर्ची ऑनलाइन कटने लगी। जैसे ही अस्पताल में तकनीकी का इस्तेमाल आमजन के लिए होने लगा तो लोगों को लगा था कि अब लाइन में लगने से पीछा छूट जायेगा किन्तु ये किसे पता था कि लाइन में भी लगना पड़ेगा और यदि पर्ची नहीं कटी तो बिना इलाज उल्टे पांव भी लौटना पड़ेगा।

ऐसा ही कुछ नजारा गुरूवार को जयपुर-दिल्ली राजमार्ग स्थित जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में देखने को मिला। जहाँ तकनीकी समस्या के चलते ओपीडी में आये मरीजों की ऑनलाईन पर्ची नहीं कट पाने के कारण जहाँ एक ओर मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं ओपीडी में सैकड़ों की संख्या में मरीजों की भीड़ एकत्रित हो गई। जिसका निराकरण कर पाना भी अस्पताल प्रशासन के लिए बेहद मुश्किल हो गया। बताया जा रहा है कि एचएमआईएस सॉफ्टवेयर की साईट डाउन हो जाने से मरीजों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई।

कोटपूतली के बीडीएम अस्पताल में लगी मरीजों की भीड़।

जानकारी के मुताबिक आधार कार्ड से ओपीडी में दिखाने आने वाले मरीजों की पर्ची काटी जाती है। इसके लिए अस्पताल में दस काउन्टर लगाये गये हैं। किन्तु सर्वर डाउन हो जाने से यह परेशानी का सबब झेलना पड़ा। विशेष रूप से मेडिसिन में दिखाने आने वाले मरीजों का भारी जमावड़ा एकत्रित हो गया। अस्पताल में मेडीसिन विभाग केवल एक विशेषज्ञ डॉ. देवेन्द्र शर्मा के भरोसे चल रहा है। मरीजों की लम्बी कतार लग जाने के कारण दिखाने वाले मरीजों को घण्टों का इंतजार करना पड़ा। इससे सुन्दरपुरा निवासी मरीज किरण (30) व ग्राम शुक्लावास निवासी रामकुमार यादव (60) की तबीयत भी बिगड़ गई। कुछ देर बाद साईट के दुरूस्त होने के बाद पर्ची फिर से कटना शुरू हो गई किन्तु इस दौरान बडी संख्या में मरीज बिना ईलाज लिए वापस लौटते भी नजर आए। तकनीकी सहायकों का कहना था कि एक साथ प्रदेशभर में ही विभाग का सर्वर डाउन हो गया था लेकिन फिर भी इस व्यवस्था को लेकर आवश्यक सुधार की जरूरत है।

■ ओपीडी में खड़े मरीजों की बिगड़ी तबीयत

गुमशुदा मां-बेटी को पाक बॉर्डर से दस्तयाब किया

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव से गुमशुदा हुई मां-बेटी को मालपुरा थाना पुलिस की विशेष टीम ने दस दिन में पाकिस्तान बॉर्डर जैसलमेर से दस्तयाब किया। थानाधिकारी चेनाराम बेडा ने बताया कि एक जने ने मालपुरा थाने में दिये परिवाद मे बताया कि 8 मार्च को उसकी पत्नी व बेटी गुम हो गई। गहन तलाश के बावजूद भी कोई सुराग नहीं लगा। थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुये गुमशुदगी का मामला दर्ज कर एएसआई रामनारायण गुर्जर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर तलाश शुरू की गई। अत्याधुनिक संसाधनों का उपयोग करते हुये पुलिस टीम ने गुम हुई मां-बेटी की लोकेशन के आधार पर पाकिस्तान बॉर्डर जैसलमेर से दोनों मां-बेटी को दस्तयाब कर मालपुरा थाने में लाया गया। विवाहिता से की गई पूछताछ में विवाहिता ने बताया कि छीतरलाल उसे बहला-फुसलाकर घर से ले गया। उसके साथ उसकी नाबालिग बेटी को भी साथ ले गया। एक स्थान पर रात्रि में उसके साथ जबरन दुष्कर्म भी किया गया।

दाह संस्कार में मधुमक्खियों का हमला, 50 लोग घायल

चिकित्सकों ने मौके पर जाकर घायलों का उपचार किया

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के हनुतिया गांव में गुरुवार को एक किशोरी के दाह संस्कार में गए करीब 100 लोगों में से 50 ग्रामीणों को मधुमक्खी ने हमला कर घायल कर दिया।

मधुमक्खी के हमले की जानकारी जब बौंली चिकित्सालय को मिली तो चिकित्सकों की टीम ने मौके पर जाकर घायलों का उपचार शुरू किया एवं ज्यादा घायलों को बौंली चिकित्सालय लाया गया

■ ज्यादा घायलों को बौंली चिकित्सालय लाया, दो गंभीर

जिनमें से दो की हालत गंभीर है। डॉ. हेमंत मीणा ने बताया कि मधुमक्खियां ने करीब 10-10 डंक उनके शरीर में छोड़ दिए जिन्हें निकाला गया। दो लोग काफी गंभीर रूप से घायल हो गए। हनुतिया गांव के ग्रामीण बाबूलाल मीणा ने बताया कि गुरुवार को मेरी भतीजी का आकस्मिक निधन हो गया था। इस कारण करीब 100 लोग उसके दाह संस्कार में शामिल होने शमशान घाट गए हुए थे वहां पर अचानक मधुमक्खियां ने हमला कर दिया एवं लोग भागने लगे तो मधुमक्खियों के झुंड ने उनका पीछा कर करीब 50 लोगों को घायल कर दिया। घायलों को बौंली चिकित्सालय में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

आबादी के पास किये जा रहे खनन को रूकवाने की मांग

ग्रामीणों ने शाहपुरा कलेक्ट्रेट के सामने आक्रोश जताया।

शाहपुरा, (नि.सं.)। सुलतानगढ़ ग्राम में ग्रामीण आबादी के नजदीक किये जा रहे खनन को रूकवाने, दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने ग्रामीणों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति/मुआवजा राशि दिलाये जाने की शाहपुरा जिला कलेक्टर राजेंद्र कुमार से मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने शाहपुरा कलेक्ट्रेट के सामने आक्रोश जताया।

जानकारी के अनुसार ग्राम सुलतानगढ़ तहसील बनेड़ा की आराजी संख्या 356 बिलानाम भूमि पर चल रहे अवैध खनन कार्य की रिपोर्ट गत 29 जनवरी को दी थी। उसके आधार पर उपखण्ड अधिकारी बनेड़ा ने जांच करवाई जिसमें जांच अधिकारी ने निष्पक्ष जांच रिपोर्ट बनाने का दावा करके ग्रामीणों से खाली पेपर पर हस्ताक्षर करवा लिये और अपनी मनमर्जी से खननकर्ताओं के पक्ष में जांच रिपोर्ट तैयार करके उपखण्ड अधिकारी बनेड़ा को गलत सूचना दी, इससे समस्त ग्रामवासी नाराज है। जिला कलेक्टर से मांग की है कि मामले की सही जांच करवा कर अवैध खनन को तुरन्त प्रभाव से रूकवाया जावे ग्राम सुल्तानगढ़ आबादी से 100 मीटर की दूरी पर ब्लास्टिंग की जा रही है जिससे ग्रामीणों के मकानों पर पत्थर उछल-उछल कर आ रहे हैं व मकानों में दरारें आ रही है।

दिन व रात्रि दोनों समय ब्लास्टिंग की जा रही है व विस्फोट खनन किया जा रहा है। आराजी नम्बर 356 में पशुओं के पानी पीने के लिए नाडी बनी हुई है उसको मलबे से पूरी तरह भर दिया गया है। ग्रामीणों ने अवैध खननकर्ताओं के विरूद्ध उचित कानूनी कार्यवाही, तुरन्त उक्त अवैध खनन को रूकवाने व माईनिंग लीज को खारिज करने, अवैध खनन कार्य से ग्रामीणों के मकानों में आई दरारें व अन्य पशु पक्षियो के मर जाने से ग्रामीणो को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति मुआवजा दिलवाने की मांग की।

पुलिस चौकी प्रभारी और कांस्टेबल पर हमला

करौली, (निसं)। मारपीट की सूचना पर मेला दरवाजा क्षेत्र पहुंचे करौली शहर चौकी प्रभारी एएसआई और एक कांस्टेबल पर झगड़ा कर रहे बदमाशों ने हमला कर दिया। बदमाशों के हमले में एएसआई और कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हे करौली अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उपचार जारी है। मामले में एक आरोपी का पुलिस हिरासत में उपचार चल रहा है और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

करौली शहर टाउन चौकी प्रभारी महेश शर्मा पुत्र मगन लाल ने बताया कि बुधवार देर रात मेला दरवाजा से रणगमा तालाब को जाने वाले कच्चे रास्ते पर कार में तीन युवकों द्वारा एक महिला से गाली-गलौच, मारपीट और झगड़ा करने की सूचना मिली थी। सूचना पर वो कांस्टेबल समंदर के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। सुनसान क्षेत्र में कार के खड़े होने का कारण पूछा तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस दौरान गाड़ी की तलाशी में दो पेटी सादा देशी शराब मिली। शराब के संबंध में पूछा तो गाड़ी में बैठे भूरा गुर्जर ने सिर पर पीछे से डंडा मारा, जबकि तीन दरवाजा निवासी दीपक ने हाथ में डंडा मारा। इस दौरान कांस्टेबल समंदर के साथ भी महिला सहित आरोपियों ने मारपीट की। हमले में एएसआई और कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल पुलिसकर्मी।

घायल एएसआई और कांस्टेबल को करौली अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उपचार जारी है। इस दौरान एक घायल बदमाश दीपक भी भागने के प्रयास में चोटिल हो गया। घायल को पुलिस हिरासत में उपचार के लिए भर्ती कराया है। वहीं महिला आरोपी को भी पुलिस हिरासत में लिया है एवं पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। मामले में पुलिस द्वारा तीन आरोपी युवकों और एक महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, कोतवाली थानाधिकारी सुनील, अस्पताल चौकी प्रभारी बृजराज शर्मा सहित पुलिस के जवान अस्पताल पहुंचे जहां रात्रि को ही अस्पताल की चिकित्सा टीम ने घायल चौकी प्रभारी व कांस्टेबल का एक्स-रे, सिटी स्कैन, विभिन्न जांचें कराकर उपचार किया।

ढाई लाख की शराब बरामद, एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना पुलिस ने एक कार से ढाई लाख रुपए की अंग्रेजी शराब बरामद की है। कार की सीट के नीचे बॉक्स बनाकर अवैध अंग्रेजी शराब की गुजरात तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका साथी फरार हो गया है।

चौरासी थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान ने बताया कि लोकसभा चुनावों को लेकर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत मुखबिर के जरिये अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान के साथ कॉन्स्टेबल विपेंद्र सिंह,अनिल कुमार और उज्ज्वल की टीम ने गोरादा घाटा के पास नाकेबंदी कर दी। इस दौरान एक स्विफ्ट कार आते हुए देखकर रोकने का इशारा किया। कार को रोककर ड्राइवर से पूछताछ की। कार में दो लोग सवार थे, जिसमें से कार सवार एक व्यक्ति मौके से भागने लगा। उसका पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन पकड़ में नहीं आया। कार की तलाशी ली गई तो कार में सीटों के नीचे बॉक्स बनाकर शराब की बोतल छुपाकर रखी थी। जिस पर पुलिस ने कार से अवैध शराब की 257 बोतल जब्त कर ली है। वहीं झुंझुनूं निवासी कार ड्राइवर तस्कर विक्रम पुत्र मोतीलाल गुर्जर को

पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के मामले में एक को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार कर लिया है। जब्त शराब की कीमत करीब 2.50 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

देशी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार :- डूंगरपुर की दोवड़ा थाना पुलिस ने अवैध देशी महुआ शराब बनाने के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने लीलवासा गांव में अलग-अलग जगह छापेमार कार्रवाई करते हुए एक हजार लीटर महुआ वॉश को नष्ट किया। वहीं, देशी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सैन ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर अवैध शराब तस्करी और अवैध शराब बनाने के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत दोवड़ा थानाधिकारी मदनलाल के साथ पुलिस टीम ने लीलवासा गांव में दबिश दी। इस दौरान मौके पर अवैध शराब की भट्टियां बनी हुई थी। मौके पर मटकों, ड्रम में महुआ वॉश बनी हुई थी। पुलिस ने शराब बनाने वाली तीन भट्टियों को तहस- नहस कर दिया। पुलिस ने एक हजार लीटर महुआ वाश को नष्ट किया। वहीं, 25 लीटर देशी शराब के साथ लीलवासा निवासी विरमल पुत्र खेमजी अहारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल में भर्ती घायल युवक आधी रात को फरार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में बौखला के पास बाइक हादसे में दो युवक घायल हो गए। दोनों युवकों को पहले खेरवाड़ा और फिर डूंगरपुर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान दोनों युवकों की जेब से चाकू और दूसरे हथियार मिले हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि गंभीर घायल होने के बाद भी दोनों युवक आधी रात को अस्पताल से लापता हो गए। वहीं, घटना को लेकर पुलिस को भी कोई जानकारी नहीं है।

प्राप्त जानकारी में सामने आया है कि बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में बौखला के पास आधी रात के समय बाइक दुर्घटना में दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद एक युवक नेशनल हाईवे के डिवाइडर पर तो दूसरा सड़क पर पड़ा था। दोनों के सिर पर गंभीर चोटें आई थी। हाथ, पैर और शरीर पर कई जगह चोट लगने से वे लहूलुहान हो गए थे। दोनों को गंभीर हालत में पहले खेरवाड़ा और फिर डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान दोनों घायलों की जेब से रामपुरी चाकू और फेट, हाथों की अंगुलियों में पहनकर प्रहार करने वाला हथियार मिला। ये देख सभी चौंक गए।

वहीं, दोनों को पहले इमरजेंसी में एडमिट कर इलाज किया गया। इसके बाद दोनों को सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर दिया गया, लेकिन रात करीब 2 बजे बाद दोनों गंभीर घायल अचानक अस्पताल से लापता हो गए। इसकी जानकारी वार्ड के स्टाफ को भी नहीं दी गई। जबकि एक्सीडेंट की घटना को लेकर बिछीवाडा थाना पुलिस या अस्पताल चौकी पुलिस के पास भी कोई सूचना नहीं है। वार्ड में भर्ती हुए दोनों ही युवकों के नाम जीवन और हरीश लिखवाया गया है। अब दोनों ही युवक अचानक कहां गायब हुए और उनके पास ये हथियार क्यों रखे गए थे, इसकी कोई जानकारी नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग की हॉस्पिटल पर दबिश, भारी मात्रा में नशे की गोलियां मिली

बिना लाइसेंस संचालित मेडिकल स्टोर, 1500 नशे की गोलियां, इंजेक्शन एवं हजारों गोलियों का रिकॉर्ड मिला

श्रीगंगानगर, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिले में नशा बेचान करने वालों के खिलाफ मुहिम छेड़ी है, जिसके तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार-गुरूवार देर रात तक जिला मुख्यालय पर चली एक कार्रवाई में टीम को भारी मात्रा में नशे की दवाओं का बेचान करने का मामला पकड़ में आया है।

साथ ही मौके पर बिना लाइसेंस संचालित मेडिकल स्टोर, करीब 1500 नशे की गोलियां, इंजेक्शन एवं हजारों गोलियों का रिकॉर्ड हॉस्पिटल परिसर से मिला है। इस मामले में विभागीय कार्रवाई के बाद अब कोतवाली पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने एवं आरोपियों की गिरफ्तारी आदि की कार्रवाई कर रही है। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में डीआई गौरीशंकर, अमनदीप कौर, सुखदीप कौर एवं पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम शामिल रही।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि विभाग को शिकायत मिल रही थी कि जिला मुख्यालय पर एक हॉस्पिटल में नशीली दवाओं का अवैध रूप से बेचान किया जा रहा है। इस पर टीम गठित कर जी ब्लॉक स्थित श्रीराम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण किया गया, जहां एक

■ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने एवं आरोपियों की गिरफ्तारी आदि की कार्रवाई कर रही है पुलिस

जोगाराम पुत्र लालाराम निवासी सांचौर द्वारा बिना लाइसेंस के मेडिकल स्टोर का संचालन करने के साथ ही एक एमबीबीएस डॉ. राजीब कुमार और एक साइकेट्रिक डॉ. रवि वर्मा मौके पर मिले। पूछताछ में सामने आया कि मेडिकल स्टोर का लाइसेंस नहीं है, इसके बावजूद वहां दवाओं का रख-रखाव व बेचान किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर पर काफी संख्या में सामग्री सहित एनडीपीएस घटक के इंजेक्शन मिले, जिन्हें मौके पर ही जब्त किया गया। यहां नशीली दवाओं यथा कलोजाप्स, ट्रामाडोल, लोराजेपाम व इंटोजोलाम के साथ ही अन्य दवाओं के करीब 22000 से बिलों का रिकॉर्ड भी जांच किया जा रहा है। इसी तरह डॉ. राजीब कुमार का अवैध रूप से नशीली दवाओं का आम लोगों को बेचान किए जाने की पुष्टि हुई। डॉ. राजीब कुमार के कक्ष के निरीक्षण करने पर यहां 1500 से अधिक अवैध रूप से रखी गई नशीली दवाएं मिली, जिन्हें जब्त कर पुलिस के सुपुर्द किया गया है। एनडीपीएस घटक की इन दवाओं का डॉ. राजीब के पास कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। वहीं टीम ने डॉ. रवि वर्मा के कक्ष का निरीक्षण किया, जहां बड़ी संख्या में नशीली दवाएं रिकॉर्ड सहित मिली। हालांकि उक्त दवाओं की खरीदने के संबंध में रिकॉर्ड मिला, लेकिन बेचान या मरीजों का दवा देने के संबंध में रिकॉर्ड मौके पर नहीं मिला। यहां कई अन्य चिकित्सकों के भी ऑन कॉल आने की जानकारी मिली है, जिसकी विभाग व पुलिस जांच कर रहा है। उल्लेखनीय है कि विभाग ने दो दिन पूर्व ही साधुवाली स्थित श्रीराम हॉस्पिटल एवं दिशा साइकेट्रिक हॉस्पिटल पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बंद करवाया है।

सीएमएचओ डॉ. सिंगला ने जिलेवासियों से अपील की है कि जहां भी नशीली दवाओं के बेचे जाने की जानकारी मिले, उसकी स्वास्थ्य विभाग या पुलिस को सूचना अवश्य दें। जिले में नशे की वजह से जहां अनेक घर उजड़ रहे हैं, वहां अनेक युवा बर्बाद हो रहे हैं, जिनके प्रति हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि मिलकर नशे का नाश करें। पुलिस विभाग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग भी लगातार नशे के खिलाफ कार्रवाई करेगा।